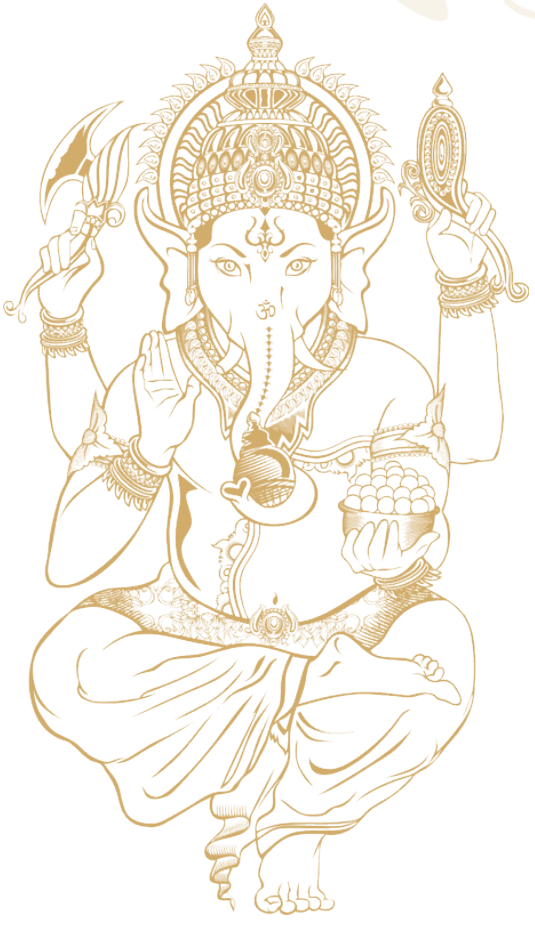

Lali

31 Jul 2000

06:00 PM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 121847202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31/07/2000**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:00:00 घंटे**
इष्ट	30:17:26 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:33:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:22 घंटे
साम्पातिक काल	14:11:37 घंटे
सूर्योदय	05:53:01 घंटे
सूर्यास्त	19:11:31 घंटे
दिनमान	13:18:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:43:58 कर्क
लग्न के अंश	26:29:05 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	व्यतिपात
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डू-डूंगरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	26:29:05	367:41:59	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
सूर्य			कर्क	14:43:58	00:57:25	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	20:38:57	15:00:43	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	स्वराशि
मंगल		अ	कर्क	05:47:31	00:38:53	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध			मिथु	25:42:10	01:17:50	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	स्वराशि
गुरु			वृष	12:00:20	00:09:47	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	28:30:06	01:13:48	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि			वृष	05:31:27	00:04:16	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	00:45:39	00:00:57	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	00:45:39	00:00:57	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	25:24:32	00:02:20	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप	व		मक	11:13:14	00:01:38	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:24:06	00:00:38	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			तुला	11:19:53	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:40

लग्न-चलित

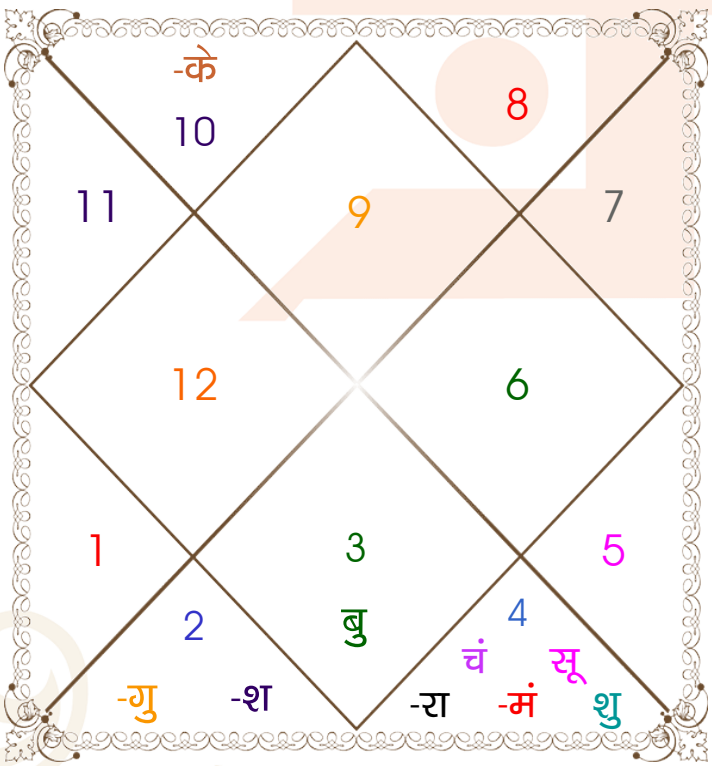

चन्द्र कुंडली

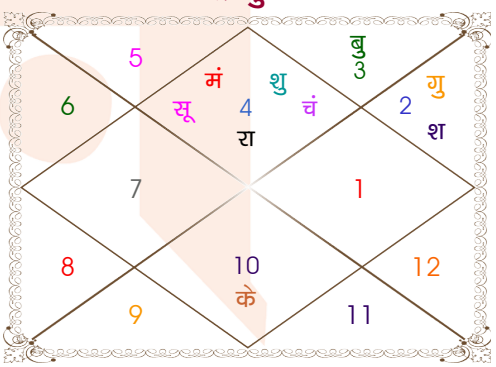

नवमांश कुंडली

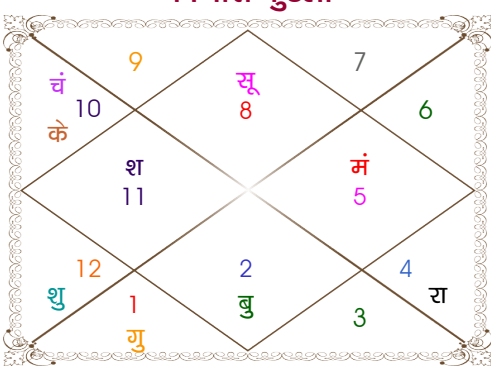

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 11 वर्ष 11 मास 2 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
31/07/2000		03/07/2012		04/07/2019		04/07/2039		03/07/2045	
03/07/2012		04/07/2019		04/07/2039		03/07/2045		04/07/2055	
	00/00/0000	केतु	29/11/2012	शुक्र	02/11/2022	सूर्य	21/10/2039	चंद्र	03/05/2046
	31/07/2000	शुक्र	29/01/2014	सूर्य	02/11/2023	चंद्र	21/04/2040	मंगल	03/12/2046
शुक्र	26/09/2001	सूर्य	06/06/2014	चंद्र	03/07/2025	मंगल	27/08/2040	राहु	02/06/2048
सूर्य	03/08/2002	चंद्र	05/01/2015	मंगल	02/09/2026	राहु	21/07/2041	गुरु	02/10/2049
चंद्र	02/01/2004	मंगल	03/06/2015	राहु	02/09/2029	गुरु	10/05/2042	शनि	04/05/2051
मंगल	29/12/2004	राहु	21/06/2016	गुरु	03/05/2032	शनि	22/04/2043	बुध	02/10/2052
राहु	19/07/2007	गुरु	28/05/2017	शनि	04/07/2035	बुध	26/02/2044	केतु	03/05/2053
गुरु	24/10/2009	शनि	06/07/2018	बुध	03/05/2038	केतु	03/07/2044	शुक्र	02/01/2055
शनि	03/07/2012	बुध	04/07/2019	केतु	04/07/2039	शुक्र	03/07/2045	सूर्य	04/07/2055

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/07/2055		03/07/2062		03/07/2080		03/07/2096		05/07/2115	
03/07/2062		03/07/2080		03/07/2096		05/07/2115		00/00/0000	
मंगल	30/11/2055	राहु	16/03/2065	गुरु	21/08/2082	शनि	07/07/2099	बुध	30/11/2117
राहु	17/12/2056	गुरु	09/08/2067	शनि	03/03/2085	बुध	17/03/2102	केतु	27/11/2118
गुरु	23/11/2057	शनि	15/06/2070	बुध	09/06/2087	केतु	26/04/2103	शुक्र	01/08/2120
शनि	02/01/2059	बुध	01/01/2073	केतु	15/05/2088	शुक्र	25/06/2106		00/00/0000
बुध	30/12/2059	केतु	20/01/2074	शुक्र	14/01/2091	सूर्य	07/06/2107		00/00/0000
केतु	27/05/2060	शुक्र	20/01/2077	सूर्य	02/11/2091	चंद्र	06/01/2109		00/00/0000
शुक्र	27/07/2061	सूर्य	14/12/2077	चंद्र	03/03/2093	मंगल	14/02/2110		00/00/0000
सूर्य	02/12/2061	चंद्र	15/06/2079	मंगल	07/02/2094	राहु	21/12/2112		00/00/0000
चंद्र	03/07/2062	मंगल	03/07/2080	राहु	03/07/2096	गुरु	05/07/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 11 वर्ष 11 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुथ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काण का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आप आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु बृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी के जीवन में भी आ सकती हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आप अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगी यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगी क्योंकि आप एक विशाल हृदय की प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकती हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आप इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगी। तब यह संभाव्य है कि आप शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने के प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगी। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करती हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करती हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वस्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकती हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगी। आप बहुत बड़ी विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करती हैं। तथा यह भी मानती हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखती हैं कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगी तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगी।

आप कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी

बुद्धि को अनुकूल कर सकती हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकती हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकती हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।